NEWS CLIPPING: 06 & 07.09.2017

AMAR UJALA

'विद्यार्थी रोजगार साधक से रोजगार प्रदाता बनें'

फरीदाबाद। वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों को भारत रत्न डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षक वर्ग से कहा कि वह विद्यार्थियों को इतना सामथ्र्यवान बनाएं कि वे रोजगार साधक से रोजगार प्रदाता बनें। कुलपति ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वह अपने शिक्षकों के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहे तथा उनका आदर करें, क्योंकि उनके भविष्य निर्माण में शिक्षक की भूमिका अहम है। शिक्षक दिवस पर भारत रत्न डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि देते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि डॉ राधाकृष्णन एक महान दार्शनिक, उच्चकोटि के शिक्षाविद् और जाने-माने विचारक थे, जिनका महान जीवन और आदर्श हमारे लिए सदा प्रेरणास्त्रोत रहेंगे। इस अवसर पर सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष तथा संकाय सदस्य उपस्थित थे। ब्यूरो

DAINIK JAGRAN

बेसिक लाइफ सपोर्ट पर व्याख्यान का आयोजन

जागरुकता

- वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में किया गया कार्यक्रम का आयोजन
- अपोलो क्लीनिक के डॉ. क्रिस्टोफर ने अपने अनुभव साझा किए

जासं, फरीदाबाद : प्राथमिक चिकित्सा और जीवनरक्षक उपायों से संबंधित जानकारी एवं ज्ञानवर्धन के लिए वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में बेसिक लाइफ सपोर्ट पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपोलो क्लीनिक से डॉ. क्रिस्टोफर आमंत्रित वक्ता रहे। उन्होंने बेसिक लाइफ सपोर्ट को लेकर अनुभव साझा किया और विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा बेसिक लाइफ सपोर्ट के प्रति जागरूकता को लेकर स्वास्थ्य केन्द्र के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कार्डियोपल्मोनरी रिसासिटेशन के अभ्यासक्रम की जानकारी दी और आपात स्थिति में रोगी को कार्डियोपल्मोनरी रिसासिटेशन प्रदान करने की तकनीकों के बारे में बताया। कार्डियोपल्मोनरी रिसासिटेशन एक अपातकालीन प्रक्रिया है, जिसमें हृदय अघात की स्थिति में रोगी को कृत्रिम श्वास दी जाती है और छाती बार-बार दबाई जाती है।

NEWS CLIPPING: 06 & 07.09.2017

DAINIK BHASKAR

स्टूडेंट को सिखाया आपात स्थिति में कैसे बचाएं जीवन

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

प्राथमिक चिकित्सा व जीवनरक्षक उपायों से संबंधित जानकारी के लिए वाईएमसीए विश्वविद्यालय में बेसिक लाइफ सपोर्ट पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसको विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में अपोलो क्लीनिक से डा. क्रिस्टोफर वक्ता रहे। उन्होंने बेसिक लाइफ सपोर्ट को लेकर अपना अनुभव सांझा किया। विद्यार्थियों को जानकारी दी। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार भी शामिल हुए। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा बेसिक लाइफ सपोर्ट के प्रति जागरूकता को लेकर स्वास्थ्य केन्द्र के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने स्टूडेंट को आपातस्थिति में रोगी को कार्डियोपल्मोनरी रिसासिटेशन प्रदान करने की तकनीकों के बारे में बताया। कार्डियोपल्मोनरी रिसासिटेशन एक आपातकालीन प्रक्रिया है जो ह्दय आधात की स्थिति में रोगी को दी जाती है। इसमें रोगी को कृत्रिम श्वास दी जाती है। छाती को बार-बार दबाया जाता है। विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सा अधिकारी डा. अंकुर शर्मा ने विद्यार्थियों को बेसिक लाइफ सपोर्ट तकनीक के अभ्यासक्रम को प्रदर्शन के माध्यम से सिखाया। डा. शर्मा ने विद्यार्थियों द्वारा कार्डियोपल्मोनरी रिसासिटेशन तकनीक की व्यावहारिकता से संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए।

> वाईएमसीए विवि में बेसिक लाइफ सपोर्ट पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

AMAR UJALA

छात्रों ने सीखे ह्रदयाघात के समय बचाव के तरीके

फरीदाबाद। प्राथमिक चिकित्सा तथा जीवनरक्षक उपायों से संबंधित जानकारी एवं ज्ञानवर्धन के लिए वाईएमसीए विश्वविद्यालय द्वारा बेसिक लाइफ सपोर्ट पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सत्र को विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र ने आयोजित किया था। कार्यक्रम में अपोलो क्लीनिक से डॉ. क्रिस्टोफर मौजूद थे। उन्होंने बेसिक लाइफ सपोर्ट को लेकर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कार्डियोपल्मोनरी रिसासिटेशन के अभ्यासक्रम की जानकारी दी तथा आपात स्थिति में रोगी को कार्डियोपल्मोनरी रिसासिटेशन प्रदान करने की तकनीकों के बारे में बताया। कार्डियोपल्मोनरी रिसासिटेशन एक अपातकालीन प्रक्रिया है जो ह्दयाघात की स्थिति में रोगी को दी जाती है, जिसमें रोगी को कृत्रिम श्वास दी जाती है तथा छाती को बार-बार दबाया जाता है।

NEWS CLIPPING: 06 & 07.09.2017

PUNJAB KESARI

विद्यार्थियों ने आपात स्थिति में जीवन बचाने के सिखे गुर

फरीदाबाद, 6 सितम्बर (पंकेस): प्राथमिक चिकित्सा तथा जीवनरक्षक उपायों से संबंधित जानकारी एवं ज्ञानवर्धन के लिए वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा बेसिक लाइफ स्पोर्ट पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस सत्र को विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में अपोलो क्लीनिक, फरीदाबाद से डॉ. क्रिस्टोफर आमंत्रित वक्ता रहे। उन्होंने बेसिक लाइफ सपोर्ट को लेकर अपना अनुभव साझा किया तथा विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार भी शामिल हुए तथा उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा बेसिक लाइफ सपोर्ट के प्रति जागरूकता को लेकर स्वास्थ्य केन्द्र के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कार्डियोपल्मोनरी रिसोसिटेशन के अभ्यासक्रम की जानकारी दी तथा आपात स्थिति में रोगी को कार्डियोपल्मोनरी रिसोसिटेशन प्रदान करने की तकनीकों के बारे में बताया। कार्डियोपल्मोनरी रिसासिटेशन एक अपातकालीन प्रक्रिया है जो हृदय अघात की स्थिति में रोगी को दी जाती है, जिसमें रोगी को कृत्रिम श्वास दी जाती है तथा छाती बार-बार दबाया जाता है।

शविर में छात्रों को जानकारी देते हुए विशेषज्ञ।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Thu, 07 September 2017
epaper.punjabkesari.in//c/21926553

NEWS CLIPPING: 06 & 07.09.2017

NAVBHARAT TIMES

सीखा आपदा प्रबंधन

नगर संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को बेसिक लाइफ सपोर्ट विषय पर कॉन्फ्रेंस हुई, जिसमें छात्रों को आपदा स्थिति में बचाव व प्राथमिक उपचार से जुड़ी जानकारियां दी गईं। अपोलो क्लीनिक के डॉ. क्रिस्टोफर ने छात्रों को बेसिक लाइफ सपोर्ट के बारे में बताया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बेसिक लाइफ सपोर्ट के प्रति जागरूकता के लिए स्वास्थ्य केंद्र के प्रयासों की सराहना की। कुलपति ने कार्डियो पल्मोनरी रिसासिटेशन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह एक आपातकालीन प्रक्रिया है जो हार्ट अटैक की स्थिति में रोगी को दी जाती है।